NCERT SOLUTIONS

CLASS - 7th

aglasem.com

Class : 7th
Subject : Hindi
Chapter : 1
Chapter Name : हम पंछी उन्मुक्त गगन के

Q1हर तरह की सुख सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे मे क्यों नहीं रहना चाहते?
Answer. हर तरह की सुख सुविधाएं पा कर भी पक्षी पिंजरे में नहीं रहना चाहता है क्योंकि वह उन्मुक्त गगन का पंछी है | वह पिंजरे में रहकर न गा पाएगा न ही अपने पंख फैला पाएगा | क्योंकि अगर वह पिंजरे में पंख फैलाएगा तो पिंजरे की सलाखों से लड़कर उसके पंख टूट जाएंगे |

Page : 02 , Block Name : कविता से

Q2 पक्षी उन्मुक्त रहकर अपनी कौन-कौन सी इच्छाएँ पूरी करना चाहते हैं?
Answer. पक्षी उन्मुक्त रहकर खुले आसमान में उड़ना चाहते हैं, नीम की कड़वी निबोरियाँ खाना चाहते हैं | नदी का बहता हुआ जल पीना चाहते हैं |

Page : 02 , Block Name : कविता से

Q3 भाव स्पष्ट कीजिए-
या तो क्षितिज मिलन बन जाता / या तनती सांसों की डोरी।
Answer. इस पंक्ति का भाव है- या तो पक्षी उड़ कर वहाँ पहुँच जाएगा जहाँ ज़मीन और आसमान मिलते हैं या तो फिर उसकी साँसों की डोर टूट जाएगी |

Page : 02 , Block Name : कविता से

Q1 बहुत से लोग पक्षी पालते हैं -
(क) पक्षियों को पालना उचित है अथवा नहीं? अपने विचार लिखिए |
(ख) क्या आपने या आपकी जानकारी में किसी ने कभी कोई पक्षी पाला है? उसकी देखरेख किस प्रकार की जाती होगी, लिखिए |
Answer.
(क) पक्षियों को पालना उचित तब है जब हम उन्हें पिंजरे में कैद करके न रखे | पक्षी खुले आसमान में उड़ना पसंद करते हैं | उन्हें पिंजरे में रखकर हम उनकी आजादी उनसे छीन लेते हैं |
(ख)छात्र अपने अनुभव के आधार पर स्वयं करें |

Page : 02 , Block Name : कविता से आगे

Q2 पक्षियों को पिंजरे में बंद करने से केवल उनकी आज़ादी का हनन ही नहीं होता, अपितु पर्यावरण भी प्रभावित होता है | इस विषय पर दस पंक्तियों में अपने विचार लिखिए |
Answer. पक्षियों को पिंजरे में बंद करने से उनकी आज़ादी का हनन होता हैं | पक्षी आसमान में उड़ना चाहते हैं, अपने अनुसार अपना जीवन जीना चाहते हैं | पिंजरे में कैद करके हम उनसे आज़ादी छीन लेते हैं | पक्षियों को कैद

aglasem.com

करने से पर्यावरण भी प्रभावित होता है | पक्षी पर्यावरण संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं | पर्यावरण का एक चक्र होता है जिसमें मनुष्य, पशु, पक्षी सबकी अपनी भूमिका होती हैं | यदि हम पक्षियों को कैद करके रखेंगे तो पर्यावरण का संतुलन बिगड़ जायेगा और इसका असर वातावरण पर पड़ता हैं | खेती में कीटनाशकयुक्त बीजों का प्रयोग पक्षियों के लिए सर्वाधिक नुकसानदायक है। इन्हें खाने से पक्षियों की संख्या बहुत कम रह गई है। कई पक्षी तो विलुप्त होने की कगार तक पहुंच चुके हैं।

Page : 03 , Block Name : कविता से आगे

Q1 क्या आपको लगता है कि मानव की वर्तमान जीवन-शैली और शहरीकरण से जुड़ी योजनाएँ पक्षियों के लिए घातक हैं? पक्षियों से रहित वातावरण में अनेक समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं | इन समस्याओं से बचने के लिए हमें क्या करना चाहिए ? उक्त विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन कीजिए |
Answer. मानव की वर्तमान जीवन-शैली और शहरीकरण से जुड़ी योजनाएँ पक्षियों के लिए घातक हैं| मनुष्य अपने विकास के लिए पर्यावरण को नुकसान पहुँचाते हैं | बढ़ती आबादी ने कई समस्याएँ उत्पन्न की है | लोग रहने के लिए शहर की ओर रुख करते हैं | इमारतें बनाने के लिए वनों की कटाई की जा रही हैं | जिससे पर्यावरण असंतुलित हो रहा हैं | पक्षी अपने घोंसले पेड़ों पर बनाते है लेकिन अब उन्हें रहने का स्थान नहीं मिल पा रहा हैं | पक्षियों से रहित वातावरण में अनेक समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं | इन समस्याओं से बचने के लिए हमें अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए और वनों की अवैध कटाई पर रोक लगानी चाहिए |
Page : 03 , Block Name : अनुमान और कल्पना

Q2 यदि आपके घर के किसी स्थान पर किसी पक्षी ने अपना आवास बनाया है और किसी कारणवश आपको अपना घर बदलना पड़ रहा है तो आप उस पक्षी के लिए किस तरह के प्रबंध करना आवश्यक समझेंगे? लिखिए |
Answer. यदि हमारे घर के किसी स्थान पर किसी पक्षी ने अपना आवास बनाया है तो उसकी सुरक्षा की ज़िम्मेदारी हमारी होती हैं | हम पक्षियों के लिए दाने-पानी की व्यवस्था कर सकते हैं |

Page : 03 , Block Name : अनुमान और कल्पना

Q 1 स्वर्ण -श्रृंखला और मेरे खेत शब्द गुणवाचक विशेषण है कविता में ढूंढकर इस प्रकार के तीन और उदाहरण लिखिए!
Answer. कटुक-निबोरी
कनक-कटोरी
कनक-तीलियों

Page : 03 , Block Name : भाषा की बात

Q 2 'भूखे -प्यासे ' मे द्वंद्व समास है।इन दोनों शब्दों के बीच लगे चिन्ह को सामासिक चिन्ह (-)कहते है।इस चिन्ह से 'और ' का संकेत मिलता है, जैसे-भूखे-प्यासे=भूखे और प्यासे।
इस प्रकार के दस अन्य उदाहरण खोज-कर लिखिए।
Answer. १- दिन-रात
२- सुख-दुःख

३-खाना-पीना
४-दाना-पानी
५-लड़ाई-झगड़ा
६-शुभ-अशुभ
७-सुबह-शाम
८-कच्चा-पक्का
९-तन-मन
१०-पाप-पुण्य

Page : 03 , Block Name : भाषा की बात

aglasem.com